अपठित गदयांश

विद्यार्थियों में अनेक बुराइयाँ कुसंगति के कारण पैदा होती हैं, पहले विद्यार्थी पढ़ाई में रुचि लेता था, किंतु अब वह फिल्म देखने में मस्त है। यह सब कुसंगति का प्रभाव है, आरंभ में उसे कोई विद्यार्थी फिल्म दिखा देता है, फिर उसे आदत पड़ जाती है। यही हाल धूम्रपान करने वालों और शराब पीने वालों का है। आरंभ में कुछ लोग शौकिया तौर पर सिगरेट या शराब पीते हैं, बाद में वे आदी बन जाते हैं। इस प्रकार कुसंगति उन्हें बुराइयों में फंसा देती है, इस कुसंगति से मर्यादा और सात्विक वृत्तियों का नाश हो जाता है।

ऊपर लिखे हुए गद्यांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(क) विद्यार्थियों में बुराइयों का क्या कारण है?
(ख) कुसंगति से किन गुणों का नाश होता है?
(ग) "धूम्रपान' और 'सात्विक' शब्दों के अर्थ लिखिए।
(घ) इस गद्यांश का सार-संक्षेपण कीजिए।

UDW
EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow